भारतीय प्रसारण निगम

आकाशवाणी केन्द्र शिमला

8.07.2025 / 11:00बजे

प्रादेशिक समाचार

मौसम

प्रदेश के कुछ जिलों में बीती रात से मानसून की वर्षा का क्रम रूक–रूक कर जारी है। राज्य में बीते 20 जून से सक्रिय मानसून की भारी वर्षा से भू–स्खलन और बादल फटने की घटनाओं में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 80 हो गई जबकि 35 लोग अभी भी लापता है। मानसून की भारी वर्षा से मंडी जिला सहित राज्य के अन्य प्रभावित क्षेत्रों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ सहित प्रशासन की टीमें स्थानीय स्वयंसेवियों के सहयोग से लोगों तक जरूरी सामग्री व दवाइयां पहुंचाने के कार्य में लगातार जुटी हुई है। इसके अलावा पीड़ितों को राहत पहुंचाने के लिए ड्रोन और भारतीय हवाई सेना के हैलीकाप्टरों की भी सहायता ली जा रही है। ड्रोन के माध्यम से लापता लोगों की तलाश जारी है। प्राकृतिक आपदा से सबसे अधिक प्रभावित मंडी जिला में अब तक 20 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि 28 लोग अभी भी लापता हैं। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों के दौरान राज्य के 6 जिलों में भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इस बीच मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू आज वर्षा प्रभावित मंडी जिला के सराज दौरे के दौरान प्रभावितों से भी मिलेंगे।

मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने ऊना जिला के गगरेट में बांस प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की संभावनाएं तलाशने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं ताकि ऊना के साथ कांगड़ा, बिलासपुर व हमीरपुर के किसानों को इसके बेहतर मूल्य प्रदान किए जा सके। शिमला में प्रदेश वन विकास निगम के निदेशक मंडल की बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने निगम की कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक का समावेश और सभी टिंबर गोदामों में बेहतर निगरानी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सीसीटीवी कैमरे लगाने के भी निर्देश दिए।

पेयजल

भारी बारिश के चलते पेयजल योजनाओं में गाद आने से शिमला शहर में पानी का संकट गहरा गया है। शिमला शहरी विधायक हरीश जनारथा ने पेयजल कंपनी के अधिकारियों से इस संबंध में बैठक कर मौजूदा स्थिति की समीक्षा की और ढली व पीटरहॉफ में बने दो बड़े पानी के टैंकों से पानी की सप्लाई शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जब तक गिरि व गुम्मा परियोजना से पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो पाती तब तक इन टैंकों के माध्यम से शहरवासियों को पानी उपलब्ध करवाया जाएगा।

जो मेन सोर्सिस थे उसमें जो गाद आई गाद के कारण यहां पर पंपिंग हो नहीं पाई और थोड़ा बिजली की प्राब्लम आई जितने भी हमारे टेंकस जो बन चुके है जैसे कि ढली है, समरहिल है, पीटरहाफ है तो इन टेंकस को कमीशन कर लेते हैं हमारे पास बफर स्टॉक रहना चाहिए ताकि इसमें पानी भर कर रखे यदि पानी आता भी नहीं है तो हमारे पास कुछेक एक एम एल डी बफर स्टॉक में रहेगी और हम एक दो या तीन दिन शिमला में सप्लाई दे सकेंगे।

मिंजर तैयारी

चंबा का अंतर्राष्ट्रीय मिंजर मेला इस वर्ष 27 जुलाई से 3 अगस्त तक आयोजित होगा। इस संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया ने कहा कि मेले के शुभारंभ अवसर पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल जबकि समापन समारोह की अध्यक्षता मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू करेंगे। उन्होंने कहा कि प्राचीन समृद्ध संस्कृति और लोगों के आपसी मेल को दर्शाते मिंजर मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम विभिन्न प्रदर्शनियां व खेलकूद प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

पैट स्कैन

राजधानी शिमला स्थित प्रदेश के सबसे बड़े अस्पताल आईजीएमसी में जल्द ही मरीजों को पैट स्कैन की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा अस्पताल को 30 करोड़ रूपये जारी कर दिए गए हैं। अस्पताल के एमएस राहुल राव ने बताया कि सितम्बर महीने में पैट स्कैन की सुविधा लोगों को उपलब्ध होगी।

पेट स्केन के बारे में लोगों को दिक्कत आ रही थी। हम यहां के पेशेंट आईजीएमसी से रेफर करते थे या लोग पीजीआई जाते हैं या चंडीगढ़ जाते हैं लगभग 25 से 30 हजार का खर्चा होता था मौजूदा सरकार ने अभी हमे उसके लिए लगभग 30 करोड़ रूपए स्वीकृत किए इसका इनफस्ट्राक्चर का पूरा कर दिया गया है और पेट स्केन सितंबर महीने के आसपास फंक्शनलग यूनिट तैयार हो जाएगा कैंसर पेशेंट के लिए।

मणिमेहश यात्रा

चंबा जिला की पवित्र व धार्मिक मणिमहेश यात्रा के दृष्टिगत 15 से 30 जुलाई तक हड़सर से मणिमहेश डलझील तक विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। चंबा के उपायुक्त मुकेश रेपस्वाल ने कहा कि इस यात्रा का उद्देश्य न केवल मार्ग की पवित्रता और प्राकृतिक सौंदर्य को पुर्नस्थापित करना है बल्कि सतत पर्यटन और प्रभावी कचरा प्रबंधन की आदतों को भी प्रोत्साहित करना है।